भूकंपरोधी भवनों के निर्माण में डिजाइन महत्वपूर्ण

कानपुर (एसएनबी)। आईआईटी कानपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर सुरेश ऐलावादी ने कहा कि भूकम्परोधी भवनों के निर्माण में निर्माण की तुलना में डिजाइन की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि बेहतर डिजाइन की मदद से भूकम्परोधी भवनों का निर्माण काफी आसान हो जाता है।

आईआईटी सभागार में भूकंप कार्यशाला शुरू

देश के विभिन्न आईआईटी कालेजों के 56 छात्र-छात्राएं शामिल

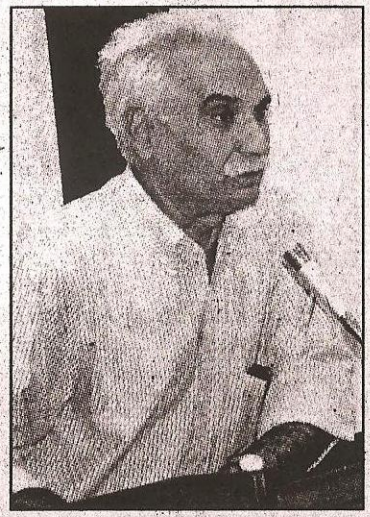

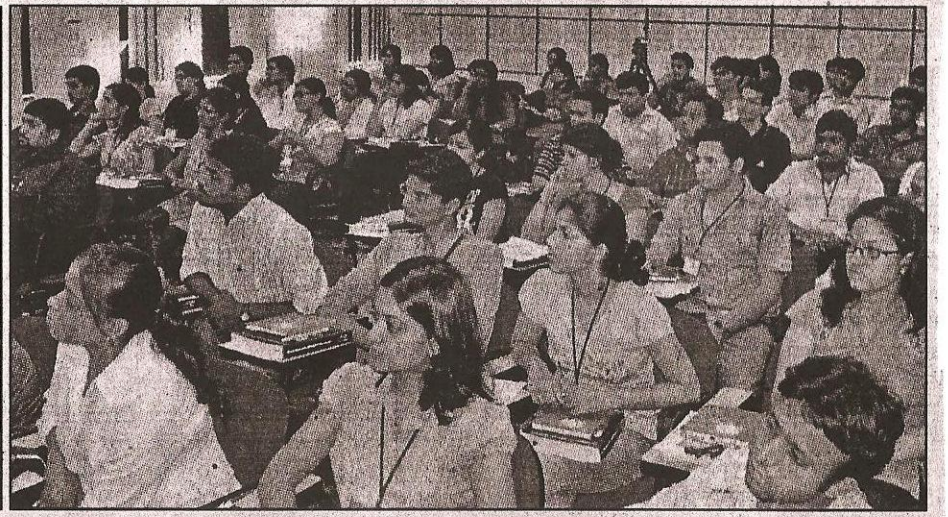

आईआईटी में भूकंप पर कार्यशाला को सम्बोधित करते आर.के.तरेजा व सम्मुख बैठे छात्र। फोटो : एसएनबी

प्रो. ऐलावादी आईआईटी सभागार में आयोजित भूकम्प कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। कार्यशाला के कोआर्डिनेटर प्रो. ऐलावादी ने कहा कि भूकम्परोधी भवनों के निर्माण में डिजाइन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि सही डिजाइन नहीं किये जाने से निर्माण के दौरान सिविल इंजीनियरों को भारी मुसीबतों का सामना भी करना पड़ सकता है। डिजाइन सही बन गयी तो बड़ी सहजता से निर्मित भवन को भूकम्प आपदा से बचाया जा सकता है। 11 जुलाई तक चलने वाले इस कार्यशाला में देशभर के कालेजों के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के चतुर्थ सत्र के कुल 29 छात्राएं तथा 27 छात्र भाग ले रहे हैं। प्रतिभागी इंजीनियरिंग के छात्रों को भूकम्प से बचाव की विषयगत जानकारियों के साथ ही साथ आईआईटी कानपुर में निर्मित भूकम्प रहित भवनों की डिजाइन तथा निर्माण सम्बंधी तकनीकियों से अवगत तथा अभ्यास कराया जायेगा।

कार्यशाला के कोआर्डिनेटर प्रो. ऐलावादी ने बताया कि इस दौरान सभी छात्रों को डिजाइन एसाइमेंट दिया जायेगा, जिसका परीक्षण अन्य राज्यों के आईआईटी कालेजों से आये प्रोफेसर करेंगे।

कार्यशाला में आईआईटी कानपुर के उपनिदेशक प्रो. आर.के. तरेजा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग कानपुर आईआईटी के विभागाध्यक्ष प्रो. ओंकार दीक्षित, आर्किटेक्चर विभाग आईआईटी पश्चिम बंगाल के विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. मित्रा, एनआईसी के कोआर्डिनेटर डा. दुर्गेश राय, आईआईटी पूणे की प्रो. वसुधा गोखले, प्रो. मिरार सिरोलकर आदि मौजूद रहे।